अनमोल मोती

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

शालोम, परमेश्वर के प्रिय संतान।

आज के परमेश्वर के वचन की शिक्षा में आपका स्वागत है। प्रभु की कृपा से, हम स्वर्ग के राज्य से संबंधित एक दिव्य रहस्य पर ध्यान करेंगे जो यीशु मसीह ने अपने दृष्टांतों में प्रकट किया। हमारा आधार है:

मत्ती 13:45–46 (Hindi ERV / Hindi Bible)

“स्वर्ग का राज्य उस व्यापारी के समान है जो अच्छे मोतियों
की खोज में रहता है। जब उसे एक बहुत ही बहुमूल्य मोती मिला,
तो उसने जाकर अपना सब कुछ बेच दिया और वह मोती खरीद लिया।”

यह दृष्टांत हमारे प्रभु यीशु मसीह ने लोगों को स्वर्ग के राज्य की सच्चाई सिखाने के लिए कहा था। यदि हम ध्यान से देखें, तो पाएंगे कि यीशु अक्सर ऐसे उदाहरणों का प्रयोग करते थे जो उसके श्रोताओं के लिए परिचित और सांसारिक थे, ताकि वे आत्मिक सच्चाइयों को समझ सकें। इसका अर्थ यह है कि कई सांसारिक गतिविधियाँ — चाहे वे धार्मिक हों या अधर्मी — उनके पीछे आत्मिक सिद्धांत और परमेश्वर की छिपी हुई बुद्धि हो सकती है।

उदाहरण के लिए:

अनमोल मोती

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

यीशु ने राज्य को बीज बोने वाले किसान से तुलना की (मत्ती 13:3–9),

उन्होंने चोर का उदाहरण दिया जो रात में आता है (मत्ती 24:43),

और एक अन्यायी न्यायाधीश का भी उदाहरण दिया ताकि यह सिखाया जा सके कि प्रार्थना में निरंतरता जरूरी है (लूका 18:1–8)।

इसका अर्थ यह नहीं कि परमेश्वर पाप को स्वीकार करता है, बल्कि यह कि वह किसी भी परिस्थिति में अपने ज्ञान को प्रकट कर सकता है।

मोती क्या होता है?

मोती एक कीमती रत्न होता है। सोना या हीरा जैसे खनिजों के विपरीत, मोती समुद्र से आता है — यह सीप के अंदर बनता है। सीप एक प्रकार का जीव है जो न तो मछली है, न ही उसके पंख, पूंछ या आँखें होती हैं। वे समुद्र की गहराई में एक पत्थर जैसे पड़े रहते हैं

अनमोल मोती

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

— और इसलिए उन्हें खोजना कठिन होता है।

मोती का निर्माण एक छोटे रेत के कण या किसी बाहरी कण से शुरू होता है। जब वह सीप के अंदर जाता है, तो वह उस पर परत दर परत एक पदार्थ छोड़ता है — और समय के साथ, एक सुंदर मोती बनता है। जितना बड़ा और परिपूर्ण मोती होता है, उतनी ही उसकी कीमत होती है।

मोती निकालना एक मेहनत भरा और खर्चीला काम है। गोताखोर गहरे समुद्र में जाकर सीपों की खोज करते हैं, जीवन का जोखिम उठाते हैं, और उन्हें सावधानीपूर्वक खोलकर मोती निकालना होता है।

क्योंकि ये दुर्लभ और सुंदर होते हैं, इसलिए एक अकेला उच्च गुणवत्ता वाला मोती 2.5 करोड़ तंज़ानियाई शिलिंग तक की कीमत का हो सकता है — केवल एक मोती!

दृष्टांत की समझ

यीशु के इस दृष्टांत में, एक व्यापारी एक अनमोल मोती खोजता है। जब वह उसे पाता है और उसकी कीमत पहचानता है, तो वह अपने पास की सारी संपत्ति बेचकर वह मोती खरीद लेता है।

अनमोल मोती

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

यह केवल कहानी नहीं है; यह एक आत्मिक सच्चाई है। वह व्यापारी उस व्यक्ति का प्रतीक है जो सत्य, उद्देश्य और उद्धार की खोज में है। जब वह मोती को पाता है — जो कि यीशु मसीह और परमेश्वर का राज्य है — तो वह समझ जाता है कि यह सबसे अनमोल चीज़ है। और वह सब कुछ छोड़कर उसे प्राप्त करता है।

ध्यान दें: वह व्यापारी एक व्यवसायी है — मुनाफा कमाने वाला व्यक्ति। उसने मूर्खता में नहीं, बल्कि ज्ञानपूर्वक सब कुछ त्याग दिया, क्योंकि उसे वह मूल्य दिखाई दिया जो अनंत है।

उसी प्रकार, यीशु मसीह वह अनमोल मोती हैं। वह सबको मुफ्त में दिए जाते हैं, लेकिन उन्हें सस्ता या सतही रूप से पाया नहीं जा सकता।

लूका 14:33 (Hindi Bible)

“इसी प्रकार तुम में से जो कोई अपना सब कुछ छोड़ नहीं देता,
वह मेरा चेला नहीं हो सकता।”

उद्धार एक उपहार है, लेकिन उसे स्वीकार करने का अर्थ है — पूर्ण समर्पण। इसका मतलब है — पाप और सांसारिक बातों से पूरी तरह

अनमोल मोती

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

मुड़कर परमेश्वर की ओर मुड़ना।

हम इस मोती को “खरीदते” कैसे हैं?

जैसे वह व्यापारी अपना सब कुछ बेच देता है, वैसे ही हमें अपने जीवन की वो सारी बातें छोड़नी पड़ती हैं जो यीशु से टकराव करती हैं। इसका मतलब है:

पापमय जीवनशैली (जैसे व्यभिचार, शराब, अश्लीलता, चुगली),

संसारिक मनोरंजन,

गलत संगति,

अहंकार, लालच, भौतिकवाद,

किसी भी प्रकार की मूर्ति पूजा (यहां तक कि आत्म-केन्द्रित

अनमोल मोती

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

जीवन)।

“सब कुछ छोड़ना” का अर्थ है — सच्चे मन से पश्चाताप करना और यीशु मसीह को अपने जीवन का राजा और उद्धारकर्ता मानना।

लूका 14:26–27

“यदि कोई मेरे पास आए और अपने पिता, माता, पत्नी, बाल-बच्चे, भाइयों और बहनों से, वरन् अपनी प्राण-जीवन से भी बैर न रखे,
तो वह मेरा चेला नहीं हो सकता।
जो कोई अपनी क्रूस को उठाकर मेरे पीछे नहीं चलता, वह मेरा
चेला नहीं हो सकता।”

यीशु यह स्पष्ट कर रहे हैं — उन्हें पूरी तरह से मानना और अनुसरण करना एक बलिदान है, लेकिन उसका प्रतिफल अनंत और श्रेष्ठ है।

एक सन्देश उन लोगों के लिए जो खोज रहे हैं

यदि आपने अभी तक अपना जीवन पूरी तरह यीशु को नहीं सौंपा है, या

अनमोल मोती

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 7

आप संसार और कलीसिया के बीच में झूल रहे हैं, तो यह आपके लिए चेतावनी है। आप दोनों नहीं पा सकते — इस संसार का सुख और आने वाले जीवन का अनंत आनंद।

स्वर्ग के राज्य में कोई शॉर्टकट नहीं है। क्रूस का मार्ग ही एकमात्र रास्ता है।

मरकुस 10:28–30

“पतरस ने उससे कहा, ‘देख, हमने सब कुछ छोड़ दिया और तेरे पीछे हो लिए हैं।’
यीशु ने कहा, ‘मैं तुम से सच कहता हूं: ऐसा कोई नहीं है जिसने मेरे और सुसमाचार के लिए घर, भाई, बहन, माता, पिता, बाल-बच्चे
या खेत छोड़ दिए हों,
कि वह इस युग में सौगुना न पाएगा — घर, भाई, बहन, माता, बाल-बच्चे और खेत, सताव के साथ; और आने वाले युग में अनंत जीवन।'”

हाँ, यीशु का अनुसरण करने में हानि भी हो सकती है — मित्र, अवसर, धन, या प्रसिद्धि — लेकिन आप अनंत जीवन और सच्चा आनंद प्राप्त करते हैं, जो अभी से शुरू होता है।

अनमोल मोती

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 8

मैं उद्धार कैसे प्राप्त करूं?

1. सच्चे मन से पश्चाताप करो।

सभी पापों से मुड़ो। यदि तुम व्यभिचार, शराब, भ्रष्टाचार, गर्व में थे — सब त्याग दो।

2. यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा लो।

प्रेरितों के काम 2:38

“पतरस ने उनसे कहा, ‘तुम मन फिराओ, और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम पर पापों की क्षमा के लिए बपतिस्मा ले; तब तुम पवित्र आत्मा का वरदान पाओगे।’”

बपतिस्मा जल में पूरी तरह डुबकी द्वारा, यीशु के नाम में होना चाहिए — केवल परंपरा के रूप में नहीं, बल्कि पापों के धोने के लिए।

3. पवित्र आत्मा प्राप्त करो।

पवित्र आत्मा तुम्हें पाप पर विजय के लिए सामर्थ्य देता है और तुम्हें सच्चाई सिखाता है।

अनमोल मोती

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 9

जब तुम यह करते हो, तो तुम फिर से जन्मे व्यक्ति बन जाते हो — यीशु में नई सृष्टि। तुम स्वर्ग के राज्य के नागरिक बन जाते हो, और वह अनमोल मोती — यीशु मसीह — तुम्हारा हो जाता है।

अंतिम सन्देश

यीशु हमें किसी दुख में नहीं बुला रहे, बल्कि एक महान इनाम की ओर। वह चाहते हैं कि हम अस्थायी को छोड़कर अनंत को पकड़ें। वह हमें एक ऐसा खज़ाना देना चाहते

हैं, जिसकी तुलना इस संसार की कोई वस्तु नहीं कर सकती।

फिलिप्पियों 3:8

“पर वास्तव में मैं सब कुछ हानि समझता हूं, क्योंकि मेरे प्रभु यीशु मसीह को जानने की अपार महिमा के कारण मैंने सब कुछ त्याग दिया है और उन्हें कूड़ा समझता हूं, ताकि मैं मसीह को प्राप्त कर सकूं।”

प्रिय पाठक, यदि तुमने अब तक अपना जीवन पूरी तरह यीशु को नहीं

अनमोल मोती

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 10

सौंपा है, तो आज का दिन तुम्हारे लिए है। वह तुम्हारे सोच से कहीं अधिक अनमोल हैं।

प्रभु तुम्हें आशीष दे, जैसे ही तुम इस अनमोल मोती — यीशु मसीह — की खोज में आगे बढ़ते हो।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp